चर्म उद्यमियों के लिए ट्रांस गंगा सिटी पूरी तरह मुफीद

जागरण संवाददाता, उन्नाव : जिले में फिनिश लेदर बनाने वाली फैक्ट्रियां अधिक हैं। ट्रांस गंगा सिटी ऐसे उद्यमों के लिए पूरी तरह मुफीद है। यहां चमड़े के साथ ही दूसरे उद्यम आसानी से स्थापित किए जा सकते हैं। इसमें 500 से 10,000 वर्ग मीटर तक के भूखंड उपलब्ध हैं। इच्छुक उद्यमी नियमानुसार इनकी खरीद कर सकते हैं। ये बातें यूपीसीडा की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नेहा जैन ने रविवार को जिले के नामचीन उद्यमियों के साथ ट्रांस गंगा सिटी के स्थलीय निरीक्षण के बाद बैठक में कहीं।

उन्होंने पर्यावरण दिवस को लेकर ट्रांस गंगा सिटी के पार्क में पौधारोपण भी किया। इसके बाद ट्रांस गंगा सिटी और यूपीएसआइडीसी प्रथम क्षेत्र में घूमीं। इसके बाद उद्यमियों के साथ ट्रांस गंगा सिटी व आइआइए सभागार में बैठक की। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र के रखरखाव की स्थिति का फीडबैक लिया। आने वाली बरसात को देखते हुए औद्योगिक क्षेत्र की नालियों और घास-फूस की सफाई कराने के निर्देश दिए। उद्यमियों को औद्योगिक भूखंडों के उच्चस्तर के विकास को दर्शाने के लिए ट्रांस गंगा सिटी क्षेत्र में घुमाया। बताया कि ट्रांस गंगा में जल निकासी वाली परियोजनाओं को छोड़ कर सभी उद्यम स्थापित हो सकते हैं। भूखंड निवेश मित्र के माध्यम से आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। कानपुर और उन्नाव शहर के पास होने से यहां ग्राहकों की आवाजाही भी ठीक ढंग से हो सकेगी। इस दौरान आइआइए के जीएन

ट्रांस गंगा सिटी में निरीक्षण के दौरान उद्यमियों के साथ मौजूद अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीसीडा नेहा जैन ● जागरण

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीसीडा ने उद्यमियों को बताईं खूबियां
कहा-उद्यम स्थापना को 500 से 10,000 वर्ग मीटर तक के उपलब्ध हैं भूखंड

के वरिष्ठ प्रबंधक अनिल वर्मा, एजीएम हिमांशु मिश्रा, परियोजना अधिकारी राकेश झा व वरिष्ठ प्रबंधक बीडी यादव मौजूद रहे।

सीमित हैं औद्योगिक भूखंड, जल्द करें आवेदन: अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि ट्रांस गंगा सिटी में सिर्फ 270 औद्योगिक भूखंड हैं। लिहाजा, इच्छुक उद्यमी जल्द आवेदन करके प्रक्रिया पूरी कराएं।

पूर्ण विकसित होने पर ही मानी जाएगी उपयोग की अवधि: उन्होंने बताया कि बिजली व्यवस्था में तीन से छह माह लग जाएंगे। लिहाजा यूपीएसआइडीसी ने ये निर्णय लिया है कि